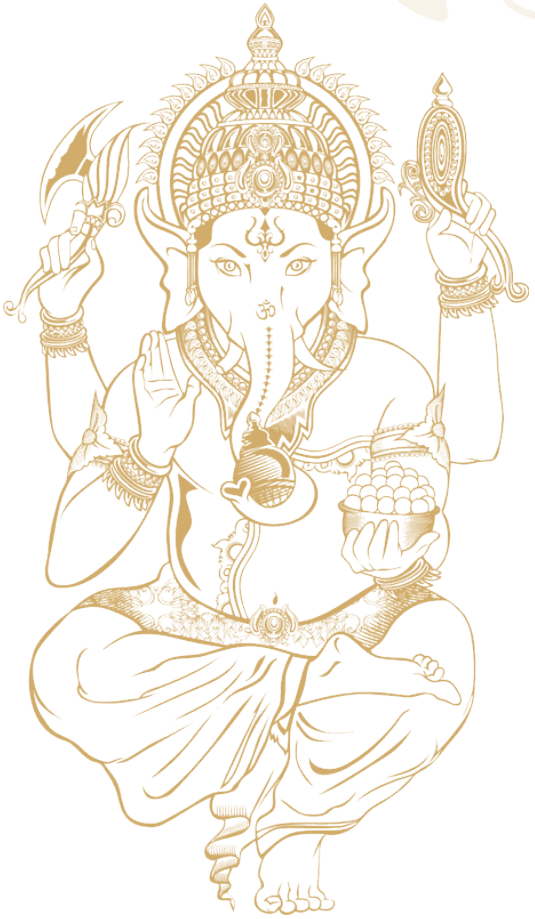

Azad Kaushik

12 Jun 1987

03:05 PM

Yamunanagar

Model: web-freekundliweb

Order No: 119017805

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**12/06/1987**
दिन	शुक्रवार
जन्म समय	**15:05:00 घंटे**
इष्ट	24:25:01 घटी
स्थान	**Yamunanagar**
राज्य	Haryana
देश	India

अक्षांश	30:07:00 उत्तर
रेखांश	77:18:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:20:48 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	14:44:12 घंटे
वेलान्तर	00:00:21 घंटे
साम्पातिक काल	08:04:56 घंटे
सूर्योदय	05:18:59 घंटे
सूर्यास्त	19:22:07 घंटे
दिनमान	14:03:08 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	ग्रीष्म
सूर्य के अंश	27:13:32 वृष
लग्न के अंश	03:22:22 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**धनु - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**मूल - 2**
नक्षत्र स्वामी	केतु
योग	शुभ
करण	कौलव
गण	राक्षस
योनि	श्वान
नाड़ी	आद्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	मानव
वर्ग	मृग
युँजा	अन्त्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	यो-योगेश
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मिथुन

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	03:22:22	309:36:05	चित्रा	4	14	शुक्र	मंगल	शुक्र	---
सूर्य			वृष	27:13:32	00:57:19	मृगशिरा	2	5	शुक्र	मंगल	गुरु	शत्रु राशि
चंद्र			धनु	04:44:49	15:07:35	मूल	2	19	गुरु	केतु	चंद्र	सम राशि
मंगल			मिथु	20:44:21	00:38:38	पुनर्वसु	1	7	बुध	गुरु	गुरु	शत्रु राशि
बुध			मिथु	20:15:30	00:38:39	पुनर्वसु	1	7	बुध	गुरु	गुरु	स्वराशि
गुरु			मीन	29:15:07	00:10:43	रेवती	4	27	गुरु	बुध	शनि	स्वराशि
शुक्र			वृष	07:45:16	01:12:58	कृतिका	4	3	शुक्र	सूर्य	केतु	स्वराशि
शनि	व		वृश्चि	23:57:16	00:04:26	ज्येष्ठा	3	18	मंगल	बुध	मंगल	शत्रु राशि
राहु	व		मीन	14:59:18	00:10:03	उ०भाद्रपद	4	26	गुरु	शनि	गुरु	सम राशि
केतु	व		कन्या	14:59:18	00:10:03	हस्त	2	13	बुध	चंद्र	गुरु	शत्रु राशि
हर्ष	व		धनु	01:13:03	00:02:27	मूल	1	19	गुरु	केतु	शुक्र	---
नेप	व		धनु	13:22:46	00:01:32	पूर्वाषाढ़ा	1	20	गुरु	शुक्र	शुक्र	---
प्लूटो	व		तुला	13:48:42	00:01:06	स्वाति	3	15	शुक्र	राहु	बुध	---
दशम भाव			कर्क	05:24:27	--	पुष्य	--	8	चंद्र	शनि	शनि	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:40:51

लग्न-चलित

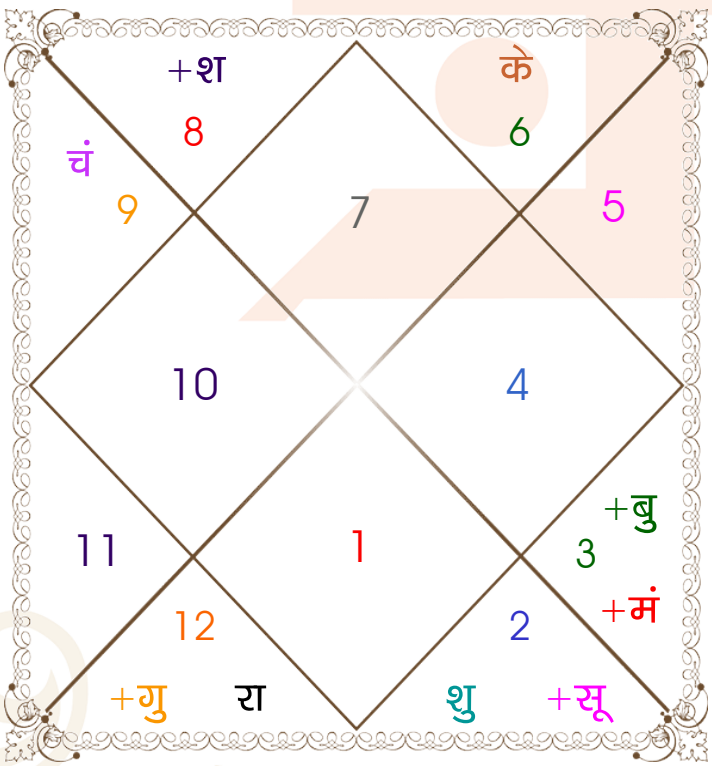

चन्द्र कुंडली

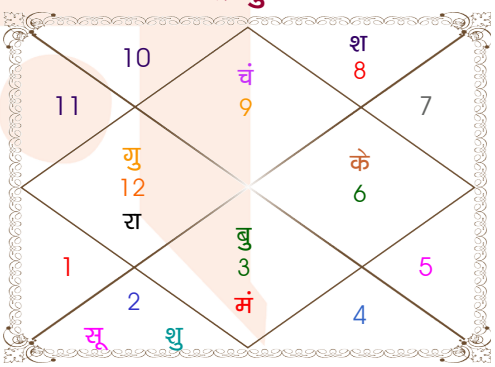

नवमांश कुंडली

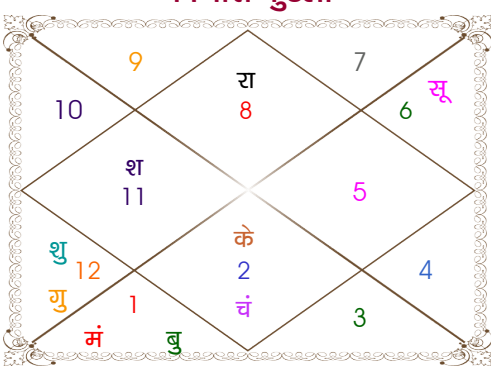

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 4 वर्ष 6 मास 2 दिन

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
12/06/1987		15/12/1991		15/12/2011		14/12/2017		15/12/2027	
15/12/1991		15/12/2011		14/12/2017		15/12/2027		14/12/2034	
	00/00/0000	शुक्र	15/04/1995	सूर्य	02/04/2012	चंद्र	14/10/2018	मंगल	12/05/2028
	00/00/0000	सूर्य	14/04/1996	चंद्र	02/10/2012	मंगल	16/05/2019	राहु	30/05/2029
	12/06/1987	चंद्र	14/12/1997	मंगल	07/02/2013	राहु	13/11/2020	गुरु	06/05/2030
चंद्र	18/06/1987	मंगल	13/02/1999	राहु	01/01/2014	गुरु	15/03/2022	शनि	15/06/2031
मंगल	14/11/1987	राहु	13/02/2002	गुरु	21/10/2014	शनि	15/10/2023	बुध	11/06/2032
राहु	02/12/1988	गुरु	14/10/2004	शनि	03/10/2015	बुध	15/03/2025	केतु	07/11/2032
गुरु	08/11/1989	शनि	15/12/2007	बुध	08/08/2016	केतु	14/10/2025	शुक्र	07/01/2034
शनि	17/12/1990	बुध	14/10/2010	केतु	14/12/2016	शुक्र	15/06/2027	सूर्य	15/05/2034
बुध	15/12/1991	केतु	15/12/2011	शुक्र	14/12/2017	सूर्य	15/12/2027	चंद्र	14/12/2034

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
14/12/2034		14/12/2052		14/12/2068		15/12/2087		15/12/2104	
14/12/2052		14/12/2068		15/12/2087		15/12/2104		00/00/0000	
राहु	27/08/2037	गुरु	01/02/2055	शनि	18/12/2071	बुध	12/05/2090	केतु	13/05/2105
गुरु	20/01/2040	शनि	14/08/2057	बुध	27/08/2074	केतु	09/05/2091	शुक्र	13/07/2106
शनि	26/11/2042	बुध	20/11/2059	केतु	06/10/2075	शुक्र	09/03/2094	सूर्य	18/11/2106
बुध	14/06/2045	केतु	26/10/2060	शुक्र	05/12/2078	सूर्य	14/01/2095	चंद्र	13/06/2107
केतु	03/07/2046	शुक्र	27/06/2063	सूर्य	17/11/2079	चंद्र	14/06/2096		00/00/0000
शुक्र	03/07/2049	सूर्य	14/04/2064	चंद्र	18/06/2081	मंगल	11/06/2097		00/00/0000
सूर्य	27/05/2050	चंद्र	14/08/2065	मंगल	27/07/2082	राहु	30/12/2099		00/00/0000
चंद्र	26/11/2051	मंगल	21/07/2066	राहु	02/06/2085	गुरु	07/04/2102		00/00/0000
मंगल	14/12/2052	राहु	14/12/2068	गुरु	15/12/2087	शनि	15/12/2104		00/00/0000

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 4 वर्ष 6 मा 1 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म चित्रा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में तुला लग्नोदय काल हुआ था। उस क्षण मेदिनीय क्षितिज पर तुला लग्न के साथ-साथ वृश्चिक नवमांश एवं तुला द्रेष्काण भी उदित था। जो यह संकेत देता है कि आप सदैव मात्र विलासिता संबंधी विषयों के प्रति रुचिवान रहेंगे। मुख्यतः वासनात्मक विलास प्रियता आप में विद्यमान रहेगा। आप अपनी पत्नी के साथ आनंद प्राप्ति में अभिभूत रहेंगे। यह संभाव्य है कि आप काम कला की उच्च शिक्षा प्राप्ति हेतु अथवा प्रसार हेतु प्रयत्नशील रहेंगे। यह संभाव्य है कि आप कामसूत्र के विशेषज्ञ हो जाएं।

संप्रति यदि आपके लिए कार्य है तो वह कार्य घर से संबंधित है। आप अपने शयन कक्ष को अति आकर्षक बनाने के संबंध में सदैव चिंतित रहेंगे। आप अपनी पत्नी की प्रीति में पूर्ण समर्पित रहकर, पत्नी के आकर्षक के कारण एवं विलासिता संबंधी प्रसन्नता हेतु कुछ भी संभव उपाय करने के लिए सीमोलंघन भी कर सकते हैं। संप्रति आप अपनी संगिनी के प्रति अत्यन्त समर्पित हैं।

आप पूर्णरूपेण अश्वस्त होंगे कि आपको एक अच्छी जीवन संगिनी प्राप्त हुई है। आप अपनी पसंद तथा इच्छानुरूप मिथुन अथवा कुंभ राशि की जीवन संगिनी का चयन करें तथा कर्क, मकर एवं मीन जल तत्व राशि की संगिनी का त्याग करें। आपके लिए यह अनिवार्य है कि आपका घरेलू जीवन सुव्यवस्थित हो। यदि संयोगवश आप अपनी जीवन संगिनी के साथ समान तारतम्य नहीं रहा तो अप्रियता एवं दुःखद अनुभव करेंगे। इस प्रकार आपका पारिवारिक जीवन किसी संभावित घटना के कारण असंतुलित हो जाय तथा आपका संपर्क का परित्याग हो जाए। पुनः आप किस प्रकार गृह व्यवस्था सुनिश्चित करेंगे।

आपके जीवन का अन्य रुचिकर विषय आपके मित्र से संबंध स्थापित करने का है। आपकी इच्छा रहती है कि आपके अच्छी मित्र मण्डली हो। जिसके सहयोग के लिए आप सतत कुछ भी करने के तत्पर रहेंगे। आपका अन्य पक्ष यह है कि आप अपने स्तर से अपने मित्रों को प्रस्तुत करेंगे। वास्तविकता तो यह है कि आपके दृष्टिकोण में ऐसा है कि ये मित्र आपके लिए पीठ की हड्डी अर्थात् रीढ़ की भांति प्रमाणित होंगे।

आपके जन्म संयोजन में चित्रा नक्षत्र एवं तुला जन्म लग्न के प्रभाव से आप अत्यंत ही लाभ एवं जीवन की सभी सुविधाओं से युक्त रहेंगे, परंतु वृश्चिक नवमांश के कुप्रभाव से जहां तक हो अड़चन बाधाओं से युक्त परिस्थिति भी हो सकती है। इस प्रकार की परिस्थिति अन्त में आपकी बाधाओं से मुठभेड़ करा सकती है जो आपके शारीरिक अंगों में रोग उत्पन्न करा कर आपकी समृद्धि में बाधक बन जाएं। अतएव आपके लिए अति अनिवार्य है आप गुप्त रोग जनित कार्य से विक्षिप्त प्रभाव के कारण यह संभाव्य है कि आपको मुंह छिपाना पड़े। अतः आप मंगलवार के दिन उपवास रहने का प्रयास करें-यह आपके स्वास्थ्य के लिए सहायक होगा।

आप व्यक्तिगत रूप से सक्रियता पूर्वक आप में यह क्षमता विद्यमान है कि आप अपनी शक्ति सम्पन्नता का अच्छा प्रभाव अपने गुणों के अनुसार किसी भी क्षेत्र में अनिवार्य रूप से सफलता प्राप्त कर सकते हैं। आप कठिन श्रम करने के लिए सुनिश्चित कर सम्पन्नता का

लाभांश यथा धन प्राप्ति के अतिरिक्त भूमि भवन का लाभ प्राप्त कर सकते हैं।

आपको इस प्रकार की आदतों का परित्याग कर सुख आराम की प्राप्ति हेतु व्यवसायिक प्रवृति से पृथक करना चाहिए। आपको प्रेम-प्रसंग हेतु आपने समय का दुरुपयोग नहीं करना चाहिए।

आपको अपनी उन्नति हेतु सही तरीके से किस प्रकार सरकारी अधिकारी को प्रभावित करने के लिए किस प्रकार का प्रभावशाली बातचीत कर सके। यह जानते हैं। आप अपने लिए कार्य व्यवसाय में ट्रांसपोर्टर का कार्य, औषधि का व्यवसाय एवं कांट्रेक्टर का कार्य कर सकते हैं।

आप किसी भी व्यक्ति के साथ संगठित हो कर अच्छी प्रकार मिलजुल कर साथियों के मध्य प्रख्यात हो जाते हैं। आप धैर्य पूर्वक विनोद प्रिय एवं आनंददायक बाते करके प्रसन्नता प्रदान करते हैं। इस प्रकार आप अपने स्वभाव को क्षति कर सकते हैं तथा जब किसी प्रकार की घटना क्रम में आप हिंसात्मक प्रवृति के हो जाते है। आप इस प्रकार की प्रवृति के प्रति शिक्षा ग्रहण कर विपरीत स्थिति के प्रति अपने में बदलाव करें। इस प्रकार की मनोवृति को रोकना उत्तम होगा। क्योंकि आपकी यह आदत हानिकारक है। आप अपने जीवन के इन तथ्यों पर विचार नहीं कर सके तो आपकी बहुत बड़ी क्षति होकर आपकी वृद्धावस्था आर्थिक रूप से प्रभावित हो जाएगा। आप इस प्रकार की समर्पित भावनाओं को नियंत्रित कर लें। इसलिए कि आप को अपना संपूर्ण जीवन आरामदायक ढंग से बिताना है।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरुवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए अंको में अनुकूल अंक 1, 2, 4, 7 एवं 8 अंक उत्तम है। इसके अतिरिक्त अंक 3, 5, 6 एवं 9 अंक उपयुक्त नहीं है।

रंगों में आपके लिए हरा, पीला रंग, आपके लिए रूचि कर एवं व्यवस्थित रंग है। परंतु रंग सफेद लाल, नारंगी आपके लिए अनुकूल एवं शुभ है।